साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 2 | अंक : 16 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 25 नवम्बर से 1 दिसम्बर 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

शहर में पेयजल के ३000 से अधिक अवैध नल कनेक्शन

जिम्मेदार कौन? कार्रवाई किसके जिम्मे? पार्षद धर्मेश अग्रवाल की शिकायत पर रेलटोली परिसर के ५ अवैध कनेक्शनधारकों को मजीप्रा ने दिया नोटिस

गोंदिया – गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत नागरिकों को पेयजल की आपूर्ति महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण द्वारा की जाती है। जिसके लिए नागरिकों को नियमानुसार मंजूरी लेकर नल कनेक्शन दिए जाते हैं। किंतु गोंदिया शहर में विभाग की मंजूरी के बिना ३000 से अधिक अवैध नल कनेक्शन लगे हुए हैं। जिसके लिए जिम्मेदार कौन? व कार्रवाई कौन करेगा? इस पर प्रश्नचिन्ह निर्माण हो रहा है। २३ नवंबर को नप पार्षद धर्मेश (बेबी) अग्रवाल की शिकायत पर रेलटोली परिसर के ५ अवैध नल कनेक्शनधारकों को मजीप्रा द्वारा ७ दिनों का नोटिस दिया गया है।

गौरतलब है कि गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत निवास करने वाले नागरिकों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण द्वारा की जाती है। जिसके लिए नागरिकों को नियमानुसार विभाग से मंजूरी प्राप्त कर नल कनेक्शन लेना होता है। किंतु गोंदिया शहर में विभाग से मंजूरी ना लेकर ३000 से अधिक अवैध रुप से नल कनेक्शन होने की जानकारी महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के गोंदिया के उप विभागीय अभियंता अविनाश पालते द्वारा मौखिक रुप से स्वीकार किया गया है। इस संदर्भ में जब उनसे पूछा गया कि अवैध नल कनेक्शन धारकों पर कार्यवाही कौन करेगा व किसकी जिम्मेदारी है? इस पर वह समाधान कारक जवाब नहीं दे पाए तथा कहा कि शिकायत प्राप्त होने पर विभाग द्वारा कार्यवाही की जाती है।

इसी प्रकार का एक मामला सामने आने पर प्रभाग क्रमांक ११ के पार्षद धर्मेश (बेबी) अग्रवाल द्वारा महाराष्ट्र जीवन विभाग में अवैध नल कनेक्शन धारकों की शिकायत की गई थी। जिसके चलते रेलटोली परिसर के ५ ऐसे कनेक्शन धारकों को उप विभागीय अभियंता के मार्गदर्शन में घटनास्थल पर पहुंचकर ७ दिनों का नोटिस दिया गया है। किंतु उपरोक्त नल कनेक्शन अवैध रुप से किसने जोड़ा उस पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही विभाग द्वारा फिलहाल नहीं की गई है। अवैध नल कनेक्शन के संदर्भ में जो व्यक्ति नल कनेक्शन जोड़ता है उस पर कार्रवाई नहीं होने से उनके हौसले बुलंद होते हैं। जिसके चलते शहर में बड़ी संख्या में अवैध नल कनेक्शन की भरमार हो चुकी है। जिससे शासन को करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान होने के साथ ही जो कनेक्शन धारक नियमानुसार कनेक्शन लेकर पानी के बिलों का भुगतान करते हैं उन्हें नियमित जलापूर्ति नहीं हो पाती है। क्योंकि इस प्रकार के अवैध नल कनेक्शनों के चलते निर्धारित कनेक्शन से अधिक पानी का वितरण होता है। जिसकी जानकारी विभाग को न होने से ऐसे नागरिकों को काफी परेशानियां उठानी पड़ती है।

उपरोक्त कार्रवाई महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के उप विभागीय अभियंता अविनाश पालथे, कनिष्ठ अभियंता शंकर लाडे, जल सेवक मुरली आठवले तथा सहयोगी रज्जाक शेख उपस्थित थे।

निशुल्क नल कनेक्शन का कार्य अधूरा, अवैध की भरमार

गोंदिया नगर परिषद द्वारा ३ वर्षो पूर्व १४वें वित्त आयोग योजना के अंतर्गत शहर के नागरिकों को ४000 निशुल्क नल कनेक्शन देने की योजना शुरु की थी। लेकिन ३ वर्षो से ४000 नल कनेक्शनों का कार्य पूर्ण नहीं हो पाया है। इस निशुल्क नल कनेक्शन योजना की आड़ में कुछ लोगों द्वारा नागरिकों को अवैध नल कनेक्शन जोड़कर १000 से ५000 रुपए की अवैध वसूली की जा रही है। जिससे शासन के राजस्व को चूना लगाने के साथ ही नागरिकों के साथ भी धोखाधड़ी कर रहे हैं। क्योंकि अवैध नल कनेक्शन का मामला सामने आने पर विभाग द्वारा कनेक्शन धारक पर ही कार्यवाही की जाती है। जिससे अवैध नल कनेक्शन जोड़ने वाला प्लंबर बच जाता है।

चुनावी लाभ लेने का चक्कर

गोंदिया नगर परिषद के आगामी तीन से चार माह पंचायत आम चुनाव होने वाले हैं। उपरोक्त चुनाव में लाभ लेने के लिए भावी उम्मीदवारों द्वारा नागरिकों को नगर परिषद के निशुल्क नल योजना के नाम पर बिना जानकारी दिए अवैध रुप से नल कनेक्शन जोड़े जा रहे हैं। जिससे नागरिकों में भ्रम की स्थिति निर्माण हो रही है।

अवैध नल कनेक्शन विशेष जांच अभियान

गोंदिया शहर अंतर्गत अवैध नल कनेक्शन धारकों के खिलाफ शिकायतें प्राप्त होने पर महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण द्वारा विशेष जांच अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही टुल्लू पंप, बकाया बिल धारको के खिलाफ भी कार्रवाई होंगी। रेलटोली परिसर के अवैध नल कनेक्शन के संदर्भ में संबंधित नल कनेक्शन धारक को ७ दिनों का कारण बताओ नोटिस दिया गया है। उन्हें विभाग से नियमानुसार कनेक्शन को नियमित करने की जानकारी दी गई है। समय अवधि खत्म होने पर कार्यवाही कर नल कनेक्शन काटा जाएगा।

– **अविनाश पालथे,** उपविभागीय अभियंता
महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण गोंदिया।

मजीप्रा की लचर कार्यप्रणाली

महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण द्वारा गत ३-४ वर्ष पूर्व शहर में नई पाईप लाईन का कार्य पूर्ण किए जाने के पश्चात पुरानी पाईप लाईन के अंतर्गत जिन उपभोक्ताओं के बिल बकाया नहीं थे, उन्हें नयी पाईप लाईन से जोड़कर पानी की आपुर्ति की गयी। लेकिन जिनके बिल बकाया थे, उन्हें नए नल कनेक्शन से जोड़ा नहीं गया। जिन्हें नयी पाईप लाईन से नहीं जोड़ा गया उनकी जलापूर्ति बंद पड़ी हैं, फिर भी अभी तक उन्हें हर माह मजीप्रा द्वारा पानी का बिल भेजा जा रहा है। जिससे पुराने बकायादारों के बिल का बकाया हर माह बढता ही जा रहा है। जबकि अवैध नल कनेक्शन वाले लोग मुफ्त में पानी का उपयोग कर रहे हैं। जब पानी की आपूर्ति ही नहीं तो हर माह बिल किस बात का? इस प्रकरण से विभाग की कार्यप्रणाली कितनी लचर है यह अजागर होता है।

विधायकों की करें गाँवबन्दी

बोनस और धान खरीदी को लेकर विधायक परिणय फुके आक्रामक

सड़क अर्जुनी – राज्य के पूर्व मंत्री एवं गोंदिया-भंडारा विधानपरिषद क्षेत्र के विधायक डॉ. परिणय फुके सड़क अर्जुनी विधानसभा क्षेत्र के दौरे के दौरान वर्तमान महाविकास आघाड़ी सरकार पर जमकर आक्रमक हुए। विधायक फुके ने कहा, राज्य में स्थापित महाविकास आघाड़ी की सरकार किसान विरोधी है, दो साल के कार्यकाल में इस सरकार ने राज्य का बेड़ागर्ग कर दिया। इस बेरहम सरकार के कार्यकाल में बिजली बिलों के नाम पर किसानों के खेती पंप के कनेक्शन काटे जा रहे है, दीपावली के दौरान गाँव में अंधेरे करवा दिए। किसानों को धान का बोनस नही दिया, बारदाना नही है, वही धान खरीदी में देरी कर सिर्फ उद्घाटन किये जा रहे है। ऐसी किसान विरोधी नकारात्मक सरकार को सबक सिखाने का वक्त आ गया है, हमें विरोधक की भूमिका का रास्ता अपनाकर अब प्रत्येक ग्राम में स्थानीय विधायकों की गाँवबन्दी करनी चाहिए।

विधायक फुके ने कहा, १ अक्टूबर को शुरु होने वाली धान खरीदी आज डेढ़ माह बाद भी शुरु नही की गई। इस साल बोनस मिलेगा भी या नही? इसे लेकर ये सरकार मौनी बाबा बनकर बैठी है। बारदाना अब तक उपलब्ध नहीं हुआ है जबकि तिकड़ी सरकार के नेता धान खिरीदी केंद्र का उद्घाटन कर पेपरबाजी में लगे हुए है। बेमौसम बारिश ने खुले में रखे धान पर आफत बरसा रखी है। किसान संकट में है पर बेफिक्र सरकार को किसानों से कोई सरोकार नहीं। ऐसे समय में हमें एकजुट होकर विरोधक की भूमिका अपनाते हुए गाँव में विधायकों की बंदी करनी चाहिये। जब तक समाधान नही विधायको की एंट्री नहीं।

काँग्रेस-राकां वालो ने कहा था, हमारी सरकार आने पर हम १६ घंटे कृषि हेतु बिजली देंगे। पर इन्होंने अपने वादे भूल गए। राज्य में हमारी सरकार ने एक भी कृषि कनेक्शन कटने नही दिए, पर इनके राज में ये किसान विरोधी होकर बिजली कनेक्शन काटने से बाज नही आ रहे है। कोविड में नागरिकों ने, किसानों ने आर्थिक संकट झेला, पर इस तिकड़ी सरकार ने बिजली बिल माफ करने की बजाए पूरा पैसा वसूल किया। पंचायत के चुनावों में हमें प्रत्येक व्यक्ति के पास जाकर इनकी सच्चाई बताना होगा और इन्हें बाहरी रास्ता दिखाकर स्थानीय निकायों के चुनाव में भाजपा का झंडा लहराना होंगा। अर्जुनी तहसील के पांढरी, डव्वा जिला परिषद क्षेत्र में आयोजित भाजपा कार्यकर्ता बैठक में बोल रहे थे। इस दौरान पूर्व पालकमंत्री राजकुमार बड़ोले, भंडारा-गोंदिया जिला संगठन मंत्री वीरेंद्र (बाळा) अंजनकर, पूर्व विधायक खोमेश्वर रहांगडाले, शेषराव गिरिपुंजे, अशोक लंजे, विजय बिसेन, विनायक कापगते, लायकराम भेंडारकर, हर्ष मोदी, डॉ. कावड़े, डॉ. भूमेश्वर पटले नागसीन फुले, चेतन वड़गाये, जीवन लंजे, सरपंच गोपालटोली उन्दिरवाड़े ताई सहित पक्ष के प्रमुख पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के अनेक नागरिक व किसान उपस्थित थे।

महाविकास आघाडी सरकार भ्रष्ट, नाकामियों के चलते किसान हुए बर्बाद - सांसद सुनील मेंढे

गोंदिया – गोंदिया भंडारा जिले के सांसद सुनील मेंढे द्वारा शासकीय विश्राम गृह में आयोजित पत्र परिषद में महाराष्ट्र की महाविकास आघाडी पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार पूरी तरह भ्रष्टाचार में लिप्त है तथा उनकी लापरवाही के चलते आज किसान बर्बाद हो रहे हैं। अतिवृष्टि, बेमौसम बारिश से ग्रस्त किसानों को मामूली मदद देकर किसानों के जख्मों पर नमक डालने का कार्य किया है। बीमा कंपनियों के फायदे के नियम और शर्ते बनाकर किसानों को नुकसान भरपाई देने से वंचित रखा है। नैसर्गिक आपदा के दौरान किसानों को सहायता देने के स्थान पर महाविकास आघाडी सरकार द्वारा अपनी भ्रष्ट नीति से बर्बाद किया है।

आगे उन्होंने कहा कि सत्ता पर आने के पूर्व किसानों के खेत में जाकर २५000 रुपए हेक्टर मदद देने की मांग करने वाले उद्धव ठाकरे, अजित पवार द्वारा गत २ वर्षो से राज्य में अतिवृष्टि, बाढ़ व चक्रवात तूफान से नुकसान होने वाले किसानों को मामूली मदद कर किसानों के साथ क्रूर मजाक किया है। आघाडी सरकार द्वारा अतिवृष्टि के दौरान नुकसान ग्रस्त किसानों के लिये १0000 हजार करोड रुपए मदद का पैकेज घोषित किया था तथा इसके पूर्व जुलाई के मध्य में बाढ़ व बारिश का संकट आने पर ११५00 हजार करोड रुपए का पैकेज घोषित किया था। जिस मदद में ७000 का दीर्घकालीन उपाय योजना तथा ३000 हजार करोड़ पुनरबांधनी तथा पुनर्वासन के लिए है। जिसका अर्थ है कि बाढ़ग्रस्त, अतिवृष्टि से ग्रस्त किसानों के लिए केवल १५00 सौ करोड़ रुपए का मदद दिया गया है। जिससे यह सरकार किसान द्रोही हो रही है।

मराठवाड़ा, विदर्भ व पश्चिम महाराष्ट्र के कुछ क्षेत्रों में अतिवृष्टि से ५० लाख हेक्टर फसल बर्बाद हो गई है, तथा हजारों हेक्टेयर जमीन बर्बाद हुई तथा मवेशी भी बहने के साथ ही बड़े पैमाने पर घरों को नुकसान हुआ है। किंतु सरकार द्वारा किसानों के नुकसान का विचार किया नहीं गया तथा मदद देने का समय आने पर केंद्र सरकार की ओर उंगली दिखाते हुए अपनी जिम्मेदारियों से पीछे हट रही है। ऐसा कार्य राज्य की आघाडी सरकार द्वारा गत २ वर्षो से निरंतर किया जा रहा है राज्य की आघाडी सरकार द्वारा किसानों के कर्ज माफी के लिए सिर्फ १५० करोड रुपए का नियोजन किया है तथा फसल बीमा निकालने के लिए कंपनी के फायदे के लिए नियम तैयार किए हैं। जिसके चलते राज्य में ३० लाख से अधिक किसानों द्वारा इस वर्ष फसल बीमा निकाला नहीं गया है। देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में सरकार सत्ता में होने पर वर्ष २०१९-२० वर्ष में ८५ लाख किसानों को बीमा योजना के अंतर्गत लाभ मिला था तथा उस वर्ष बीमा कंपनी को १000 हजार करोड रुपए का नुकसान हुआ था। गत वर्ष सिर्फ १५ लाख किसानों को ९७५ करोड रुपए के नुकसान भरपाई बीमा कंपनियों से मिली थी। बीमा कंपनी गत वर्ष ४000 करोड़ से अधिक का लाभ कमाया था। लॉक डाउन व कोरोना से संकट में आ चुके किसान के साथ महाविकास आघाडी सरकार द्वारा सिर्फ घोषणा बाजी की जा रही है जिन की लापरवाही के चलते किसानों द्वारा आत्महत्या की जा रही है। सरकार की इस भ्रष्ट नीति व किसानों के खिलाफ कार्य कर रही सरकार के खिलाफ भाजपा द्वारा राज्य स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

आयोजित पत्र परिषद के अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष केशवराव मानकर, पूर्व विधायक रमेश कुथे, भाजपा शहर अध्यक्ष सुनील केलनका, पूर्व जिप अध्यक्ष नेतराम कटरे, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष गजेंद्र फुंडे, महामंत्री संजय कुलकर्णी, ठाकरे, कदम टेभरे, छाया दसरे, पार्षद सोनछात्रा आदि उपस्थित थे।

सार्वजनिक स्थान पर हंगामा मचाने के आरोप में अर्जुन नागपुरे व साथी को ६ माह का कारावास

गोंदिया – प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी वी.आर. आसुदानी द्वारा १८ नवंबर को सुनाए गए अपने फैसले में अर्जुन नागपुरे व उसके एक साथी विकी राधेलाल बघेल को सार्वजनिक स्थान पर हंगामा मचा कर संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में दोषी करार देते हुए छह-छह माह का कारावास व ४५-४५ हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

गौरतलब है कि रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में आरोपियों द्वारा १० अप्रैल २०१६ को सार्वजनिक स्थान पर शांति व कानून व्यवस्था को भंग करते हुए हंगामा मचाते हुए शासकीय व निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया था। इस मामले में रामनगर पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। उपरोक्त प्रकरण में १८ जनवरी को नवंबर को प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी वीआर आसुदानी द्वारा आरोपी अर्जुन छत्रपति नागपुरे विकी राधेलाल बघेले को धारा १४३, १४९, ४२७ के तहत दोषी करार देते हुए ६ माह, ६ माह के कारावास की सजा व प्रत्येक धाराओं में १५ हजार जुर्माना इस प्रकार कुल दोनों आरोपियों को ४५-४५ हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई। आरोपियों द्वारा जुर्माने की राशि जमा करने के पश्चात जमानत के लिए आवेदन किया जाने वाले द्वारा दोनों आरोपियों की जमानत मंजूर की गई। उपरोक्त प्रकरण में सरकार की ओर से सहायक सरकारी वकील प्रणिता कुलकर्णी ने पक्ष रखा।

संपादकिय

ममत्व बनाम बेबसी

जिस दौर में अर्थव्यवस्था के ऊंची उड़ान भरने के दावे किए जा रहे हों, उसी में चमकती तस्वीर के बरक्स अलग-अलग पैमाने पर गरीबी की त्रासद छवियां भी सामने आ रही हों, तो उसे किस तरह देखा जाएगा? महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के शिरडी शहर में जिन परिस्थितियों में एक महिला ने अपने तीन दिन के नवजात को बेच दिया, उससे एक बार फिर यह सवाल पैदा होता है कि आखिर किसी देश में विकास की परिभाषा क्या है?

खबर के मुताबिक एक महिला ने बीते सितंबर में एक बच्चे को जन्म दिया था, लेकिन उसकी आय या आर्थिक स्थिति इस हद तक खराब है कि वह खुद सहित बच्चे के पालन-पोषण में असमर्थ थी। शायद उसे अपने आने वाले दिनों में भी आय और अपना खर्च चला पाने के बारे में हालात का अंदाजा था, इसलिए कोई विकल्प न पाकर कुछ धन की उम्मीद में उसने अपने बच्चे का ही सौदा करने का फैसला कर लिया। अहमदनगर और ठाणे की तीन महिलाओं की मदद से उसने एक व्यक्ति को एक लाख अठहत्तर हजार रुपए में बच्चा बेच दिया।

निश्चित रुप से कानूनी कसौटी पर और किसी भी लिहाज से महिला के इस फैसले का बचाव नहीं किया जा सकता, इसलिए सूचना के आधार पर पुलिस ने बच्चा खरीदने वाले व्यक्ति सहित महिला और अन्य आरोपियों के खिलाफ जरुरी कार्रवाई की है। ऐसे मामलों में कानून की अपनी बाध्यताएं होती हैं और उसकी औपचारिकता को पूरा करना संबंधित महकमे की जिम्मेदारी है। मगर साथ ही यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि ऐसी समस्याओं से निपटने के क्रम में उसकी जड़ों या मूल वजहों की भी पड़ताल की जाए।

महिला ने बेशक कानूनी और सामाजिक व्यवस्था के मुताबिक एक गलत विकल्प का चुनाव किया, लेकिन उसके हालात पर गौर करना एक संवेदनशील समाज और व्यवस्था की जिम्मेदारी है। आखिर क्या वजह है कि अपने बच्चे को बेचने वाली महिला के सामने कोई ऐसा विकल्प नहीं मौजूद था, जिसके सहारे वह अपना और अपने बच्चे का भरण-पोषण कर पाती? अपनी ममता का सौदा करना किसी भी मां के लिए कैसी भावनात्मक त्रासदी से गुजरना हो सकता है, इसका अंदाजा भर लगाया जा सकता है।

सवाल है कि गरीबी की वजह से उपजी लाचारी में महिला को अपनी संवेदना से जिस स्तर का समझौता करना पड़ा, उसे वैसी स्थिति से बचाने के लिए हमारे समाज और सत्ता-तंत्र ने क्या उपाय किए हैं, सहयोग का कैसा ढांचा खड़ा किया है? विडंबना यह है कि सतह पर दिखती चकाचौंध आमतौर पर जमीनी हकीकत से काफी दूर होती है, मगर अक्सर उसी को प्रतिनिधि-छवि मान लिया जाता है। दरअसल, कुछ छवियों के आधार पर सामाजिक सहयोग को भले ही एक सकारात्मक चलन के तौर पर पेश किया जाता हो, लेकिन सच यह है कि वक्त के साथ सामाजिक सहयोग और संवेदना के मामले में भी तेजी से छीजन आई है।

आपसी व्यवहार और जुड़ाव के मामले में बनते दायरे के समांतर यह भी कड़वी हकीकत है कि सरकारी स्तर पर घोषित गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों और योजनाओं की पहुंच वास्तविक जरुरतमंदों तक समय पर नहीं हो पाती है। अगर ऐसा आमतौर पर होने लगता है तब इस तरह की योजनाओं के कोई मायने नहीं रह जाते। आज हालत यह है कि भुखमरी और कुपोषण के मामले में हमारे देश की दशा समूची दुनिया में बेहद चिंताजनक हो चुकी है। आखिर यह समूची तस्वीर किन नीतियों और राजनीतिक इच्छाशक्ति का नतीजा है?

आज की बात : समय की बर्बादी, जीवन की बर्बादी...

तमन्ना मतलानी
गोंदिया (महाराष्ट्र)

दुनिया में सबसे मूल्यवान यदि कुछ है तो वह समय ही है। जिसने भी समय का सदुपयोग किया है वह जीवन में सदैव अपने लक्ष्य को हासिल करने में कामयाब भी हुआ है। लक्ष्य को प्राप्त करने का सबसे बड़ा मूलमंत्र यदि कोई है तो वह है समय का सदुपयोग करना।

हमने संत कबीरदास जी का एक प्रसिद्ध दोहा अवश्य सुना ही होगा कि... काल करे सो आज कर, आज करे सो अब। पल में परलय होएगी, बहुरि करेगा कब।। ऐसी ही कीमती और अनमोल कहावतें हमारे बुजुर्ग हमारे लिए छोड़ कर गए हैं तो इसका सीधा सा अर्थ यह भी है कि उन्होंने समय की महत्वता को समझा था और उस पर अमल करके जो कुछ भी उन्होंने हासिल किया था, उन्हें इस प्रकार की कहावतों के माध्यम से एक विरासत के रुप में हमारे लिए धरोहर छोड़ कर गए हैं।

हम सभी ने समय देखने के लिए हमेशा घड़ी का उपयोग किया ही होगा। अगर आज मैं आपसे एक प्रश्न करुँ कि हमने घड़ी से क्या सीखा है, तो मुझे लगता है कि अधिकांश लोगों का उत्तर एक ही होगा कि घड़ी तो हमें समय बताती है पर सिखाती कुछ भी नहीं है ये तो उस व्यक्ति पर निर्भर करतानहै कि वह घड़ी को देखकर किस रुप से उस पर मंथन करता है। इस प्रकार का जवाब रखने वालों से मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहूंगी कि घड़ी के काँटे हमें सदैव समय की कीमत बताते हैं। हमने घड़ी में तीन काँटे देखे ही हैं, प्रत्येक काँटे की अपनी एक अलग अहमियत होती है जिसमें...

सेकंड का काँटा हमें यह सिखाता है कि अगर जीवन में सफलता शीघ्र प्राप्त करनी है तो मेरा अनुकरण करो। जैसे मैं केवल एक मिनट में ही घड़ी में अंकित बारह घर घूम कर आता हूँ, ठीक वैसे ही समय के साथ आप लोग भी तेजी से भागकर अपना मनचाहा मुकाम हासिल कर सकते हो। ठीक उसी तरह से मिनट की सुई हमें सिखाती है कि भले ही आपकी चाल तेज न हो पर सही समय पर सही निर्णय लेकर समय के साथ कदमताल करके भी हम सफलता प्राप्त कर सकते है, भले ही हमें बारह घर घूमने में एक घंटे का समय लगता है पर हमें अपनी गति को रोकना नहीं है, हमें हमेशा प्रगति के पथ पर अग्रसर रहना है उसी से हमें सफलता का स्वाद चखने का आनंद प्राप्त होगा। सबसे अंत में हमें घंटे वाली छोटी सुई यह शिक्षा देती है कि भले ही हमारी चाल में तेजी नहीं भी है तो क्या हुआ, सही दिशा में और पूरी मेहनत और लगन के साथ कार्य करते रहने से सफलता अवश्य मिलती है। यह छोटी सुई हमे ज्ञान देती है कि छोटे-छोटे कदम बढ़ा कर भी सफलता को हासिल किया जा सकता है, फिर क्या हुआ जो हमें सफल होने के लिए छोटी सुई के समान बारह घर घूमने में भले ही २४ घंटे का समय ही क्यों न लग जाए। कहने का अर्थ यह है कि समय के सदुपयोग से मंजिल पर पहुंचने के लिए लगने वाले समय का मोल नहीं है क्योंकि सही दिशा में चलकर मंजिल को प्राप्त करने का आनंद, कार्य पूरा करने में लगने वाले समय का दुख कम कर देता है।

सभी ने समय का चित्र तो देखा ही होगा, तो हमें यह भी ज्ञात होगा कि इस चित्र में समय के सिर पर आगे की ओर बाल होते हैं और पीछे की तरफ से सिर सपाट होता है। अब आपके मन में एक ख्याल अवश्य आएगा कि इस प्रकार से समय का अजीबोगरीब चित्र क्यों बनाया गया है? ज्यादा असमंजस में पड़ने की आवश्यकता नहीं है इसका जवाब सीधा और बहुत ही सरल है। समय के आगे बाल होने का कारण यह है कि हम समय का आगे से सामना करके ही उसका अनुकरण कर सकते है अर्थात् जब वह हमारे सामने होता है हम तभी उसे पकड़ सकते हैं और तभी हम समय का सही उपयोग कर सकते हैं परंतु यदि समय एक बार आगे निकल गया तो न तो उसका अनुकरण किया जा सकता है और न ही समय को पीछे से पकड़कर रोका जा सकता है।

ऊपर दिए गए दोनों उदाहरणों से हम सीख सकते हैं कि जिसने समय का सद्पयोग किया है वही जीवन रुपी खेल के मैदान में मनचाही सफलता पा सकता है। जिस किसी ने भी अपने जीवन में समय की बर्बादी की है उसका जीवन भी बर्बाद हो सकता है, यह सदैव हमें याद रखने की जरुरत है।

देश के युवा वर्ग को समय का महत्व बताने वाली एक छोटी सी सुंदर कविता आप सभी के सम्मुख रखना चाहूंगी, इस कविता में जीवन की कठनाइयों को हराकर आगे बढ़ते रहने का जज्बा छिपा हुआ है....

समय बड़ा बलवान रे भईया,
समय बड़ा बलवान...

जीवन की नईया डोल रही है,
हिचकोले कैसे-कैसे ले रही है।
भटक रहा आज देश का नौजवान,
समय बड़ा बलवान....

सूझ बूझ में ये है सबसे आगे,
मेहनत से ना ये घबरा कर भागे।
फिर भी समय गंवा रहे कुछ अनजान,
समय बड़ा बलवान.....

दुनिया ने इसको भरमाया है,
पल-पल इसको भड़काया है।
सही-गलत की न कर पा रहा पहचान,
समय बड़ा बलवान.....

मार्गदर्शन की है अब जरुरत इसको,
गलत यह साबित तब करेगा सबको।
जरुरी है करवाना इसे सही ज्ञान,
समय बड़ा बलवान....

मातृभूमि मेरी तड़प रही है,
क्यों यह पीढ़ी आज भटक रही है?
उचित मार्ग का करना है सम्मान,
समय बड़ा बलवान.....

देखकर भटकते इन वीरों को
ग्लानि सबको हो रही है,
अपने कर्मो से ही ये अपनों को खो रही है।
इसके आगे क्या करुँ मैं बखान,
समय बड़ा बलवान...

देश को है एक तमन्ना इनसे,
संभल जाए ये अब, भटके हैं ये जिनसे।
फर्ज निभाए ये अब बनकर देश की संतान,
समय बड़ा बलवान.....

साथियो अंत में मैं एक बार पुन: यही कहना चाहूंगी कि समय से बढ़कर बलवान कोई नहीं है। समय पल में राजा को रंक बना सकता है तो रंक को राजा का तख्तोताज भी दिलवा सकता है। जीवन में हर एक सफलता का दरवाजा समय के सदुपयोग से ही खुलता है। आओ हम समय का महत्व समझें और उसके साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का प्रयास करें, फिर देखिए सफलता भी मिलेगी और जीवन रुपी सफर का आनंद भी सदैव मिलता रहेगा।

गुरु नानक

गुरु नानक

नानक (कार्तिक पूर्णिमा १४६९ : २२ सितंबर १५३९) सिखों के प्रथम (आदि) गुरु हैं। इनके अनुयायी इन्हें नानक, नानक देव जी, बाबा नानक और नानकशाह नामों से सम्बोधित करते हैं। नानक अपने व्यक्तित्व में दार्शनिक, योगी, गृहस्थ, धर्मसुधारक, समाजसुधारक, कवि, देशभक्त और विश्वबन्धु - सभी के गुण समेटे हुए थे।

परिचय

ननकाना साहिब

इनका जन्म रावी नदी के किनारे स्थित तलवण्डी नामक गाँव में कार्तिकी पूर्णिमा को एक खत्रीकुल में हुआ था। तलवण्डी पाकिस्तान में पंजाब प्रान्त का एक नगर है। कुछ विद्वान इनकी जन्मतिथि १५ अप्रैल, १४६९ मानते हैं। किन्तु प्रचलित तिथि कार्तिक पूर्णिमा ही है, जो अक्टूबर-नवम्बर में दीवाली के १५ दिन बाद पड़ती है। इनके पिता का नाम मेहता कालूचन्द खत्री तथा माता का नाम तृप्ता देवी था। तलवण्डी का नाम आगे चलकर नानक के नाम पर ननकाना पड़ गया। इनकी बहन का नाम नानकी था।

बचपन से इनमें प्रखर बुद्धि के लक्षण दिखाई देने लगे थे। लड़कपन ही से ये सांसारिक विषयों से उदासीन रहा करते थे। पढ़ने-लिखने में इनका मन नहीं लगा। ७-८ साल की उम्र में स्कूल छूट गया क्योंकि भगवत्प्राप्ति के सम्बन्ध में इनके प्रश्नों के आगे अध्यापक ने हार मान ली तथा वे इन्हें ससम्मान घर छोड़ने आ गए। तत्पश्चात् सारा समय वे आध्यात्मिक चिन्तन और सत्संग में व्यतीत करने लगे। बचपन के समय में कई चमत्कारिक घटनाएँ घटीं जिन्हें देखकर गाँव के लोग इन्हें दिव्य व्यक्तित्व मानने लगे। बचपन के समय से ही इनमें श्रद्धा रखने वालों में इनकी बहन नानकी तथा गाँव के शासक राय बुलार प्रमुख थे।

इनका विवाह बालपन मे सोलह वर्ष की आयु में गुरदासपुर जिले के अन्तर्गत लाखौकी नामक स्थान के रहनेवाले मूला की कन्या सुलक्खनी से हुआ था। ३२ वर्ष की अवस्था में इनके प्रथम पुत्र श्रीचन्द का जन्म हुआ। चार वर्ष पश्चात् दूसरे पुत्र लखमीदास का जन्म हुआ। दोनों लड़कों के जन्म के उपरान्त १५०७ में नानक अपने परिवार का भार अपने श्वसुर पर छोड़कर मरदाना, लहना, बाला और रामदास इन चार साथियों को लेकर तीर्थयात्रा के लिये निकल पड़े। उन पुत्रों में से श्रीचन्द आगे चलकर उदासी सम्प्रदाय के प्रवर्तक हुए।श

उदासियाँ

गुरु नानाक देव जी की यात्राएँ

वे चारों ओर घूमकर उपदेश करने लगे। १५२१ तक इन्होंने चार यात्रा चक्र पूरे किए, जिनमें भारत, अफगानिस्तान, फारस और अरब के मुख्य मुख्य स्थानों का भ्रमण किया। इन यात्राओं को पंजाबी में **उदासियाँ** कहा जाता है।

दर्शन

नानक सर्वेश्वरवादी थे। मूर्तिपूजा : उन्होंने सनातन मत की मूर्तिपूजा की शैली के विपरीत एक परमात्मा की उपासना का एक अलग मार्ग मानवता को दिया। उन्होंने हिन्दू पन्थ के सुधार के लिए इन्होंने कार्य किये। साथ ही उन्होंने तत्कालीन राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक स्थितियों पर भी दृष्टि डाली है। सन्त साहित्य में नानक उन सन्तों की श्रेणी में हैं जिन्होंने नारी को बड़प्पन दिया है।

हिन्दी साहित्य से सम्बन्ध

हिन्दी साहित्य में गुरुनानक भक्तिकाल के अन्तर्गत आते हैं। वे भक्तिकाल में निर्गुण धारा की ज्ञानाश्रयी शाखा से सम्बन्ध रखते हैं। उनकी कृति के सम्बन्ध में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल **हिन्दी साहित्य का इतिहास** में लिखते हैं कि- ष्भक्तिभाव से पूर्ण होकर वे जो भजन गाया करते थे उनका संग्रह (संवत् १६६१) ग्रन्थ साहब में किया गया है।

मृत्यु

जीवन के अन्तिम दिनों में इनकी ख्याति बहुत बढ़ गई और इनके विचारों में भी परिवर्तन हुआ। स्वयं ये अपने परिवार वर्ग के साथ रहने लगे और मानवता कि सेवा में समय व्यतीत करने लगे। उन्होंने करतारपुर नामक एक नगर

बसाया, जो कि अब पाकिस्तान में है और एक बड़ी धर्मशाला उसमें बनवाई। इसी स्थान पर आश्वन कृष्ण १०, संवत् १५९७ (२२ सितम्बर १५३९ ईस्वी) को इनका परलोक वास हुआ।

मृत्यु से पहले उन्होंने अपने शिष्य भाई लहना को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया जो बाद में गुरु अंगद देव के नाम से जाने गए।

कविताएँ

नानक भेदाभेद वादी कवि थे और साथ ही अच्छे सूफी कवि भी। उनके भावुक और कोमल हृदय ने प्रकृति से एकात्म होकर जो अभिव्यक्ति

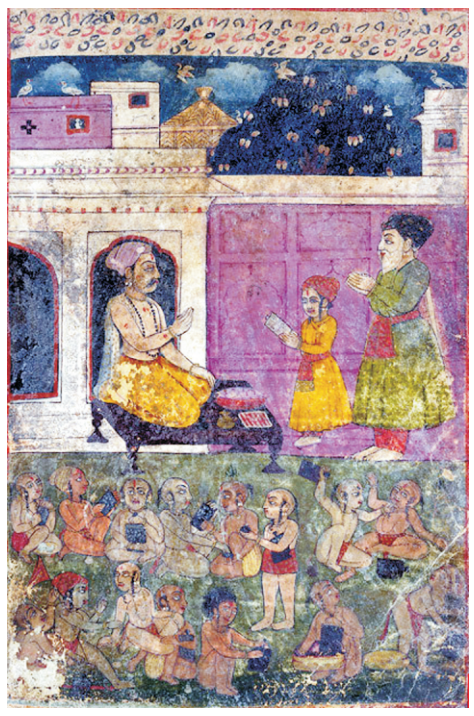

की है, वह निराली है। उनकी भाषा **बहता नीर** थी, जिसमें फारसी, मुल्तानी, पंजाबी, सिंधी, खड़ी बोली, अरबी के शब्द समा गए थे।

रचनाएँ

गुरु ग्रन्थ साहिब में सम्मिलित ९७४ शब्द (१९ रागों में), गुरबाणी में शामिल है- जपजी, Sidh Gohst, सोहिला, दखनी ओंकार, आसा दी वार, Patti, बारह माह

अन्य गुरु

सिख सम्प्रदाय में दस गुरु हुए हैं। जिसमें पहले गुरुनानक हैं तथा अन्तिम गुरु गोबिंद सिंह हुए हैं-

गुरु नानक देव
गुरु अंगद देव – गुरु अमरदास
गुरु रामदास
गुरु अर्जुन देव – गुरु हरगोबिन्द
गुरु हर राय
गुरु हरकिशन – गुरु तेग बहादुर
गुरु गोबिंद सिंह

इनके जीवन से जुड़े प्रमुख गुरुद्वारा साहिब

गुरुद्वारा कन्ध साहिब – बटाला (गुरुदासपुर)

गुरु नानक का यहाँ बीबी सुलक्षणा से १६ वर्ष की आयु में संवत १५४४ की २४वीं जेठ को विवाह हुआ था। यहाँ गुरु नानक की विवाह वर्षगाँठ पर प्रतिवर्ष उत्सव का आयोजन होता है।

गुरुद्वारा हाट साहिब – सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला)

गुरुनानक ने बहनोई जैराम के माध्यम से सुल्तानपुर के नवाब के यहाँ शाही भण्डार के देखरेख की नौकरी प्रारम्भ की। वे यहाँ पर मोदी बना दिए गए। नवाब युवा नानक से काफी प्रभावित थे। यहीं से नानक को **तेरा** शब्द के माध्यम से अपनी मंजिल का आभास हुआ था।

गुरुद्वारा गुरु का बाग – सुल्तानपुर लोधी

यह गुरु नानकदेवजी का घर था, जहाँ उनके दो बेटों बाबा श्रीचन्द और बाबा लक्ष्मीदास का जन्म हुआ था।

गुरुद्वारा कोठी साहिब – सुल्तानपुर लोधी

नवाब दौलतखान लोधी ने हिसाब-किताब में ग़ड़बड़ी की आशंका में नानकदेवजी को जेल भिजवा दिया। लेकिन जब नवाब को अपनी गलती का पता चला तो उन्होंने नानकदेवजी को छोड़ कर माफी ही नहीं माँगी, बल्कि प्रधानमन्त्री बनाने का प्रस्ताव भी रखा, लेकिन गुरु नानक ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया।

गुरुद्वारा बेर साहिब – सुल्तानपुर लोधी

जब एक बार गुरु नानक अपने सखा मर्दाना के साथ वैन नदी के किनारे बैठे थे तो

अचानक उन्होंने नदी में डुबकी लगा दी और तीन दिनों तक लापता हो गए, जहाँ पर कि उन्होंने ईश्वर से साक्षात्कार किया। सभी लोग उन्हें डूबा हुआ समझ रहे थे, लेकिन वे वापस लौटे तो उन्होंने कहा- **एक ओंकार सतिनाम**। गुरु नानक ने वहाँ एक बेर का बीज बोया, जो आज बहुत बड़ा वृक्ष बन चुका है।

गुरुद्वारा अचल साहिब – गुरुदासपुर

अपनी यात्राओं के दौरान नानकदेव यहाँ रुके और नाथपन्थी योगियों के प्रमुख योगी भांगर नाथ के साथ उनका धार्मिक वाद-विवाद यहाँ पर हुआ। योगी सभी प्रकार से परास्त होने पर जादुई प्रदर्शन करने लगे। नानकदेवजी ने उन्हें ईश्वर तक प्रेम के माध्यम से ही पहुँचा जा सकता है, ऐसा बताया।

गुरुद्वारा डेरा बाबा नानक – गुरुदासपुर

जीवनभर धार्मिक यात्राओं के माध्यम से बहुत से लोगों को सिख धर्म का अनुयायी बनाने के बाद नानकदेवजी रावी नदी के तट पर स्थित अपने फार्म पर अपना डेरा जमाया और ७० वर्ष की साधना के पश्चात सन १५३९ ई. में परम ज्योति में विलीन हुए।

करतारपुर साहिब या गुरुद्वारा दरबार साहिब पंजाब प्रांत, पाकिस्तान

ईसवी संवत २०१९, सिक्खों के आदि गुरु, गुरुनानक जी, के जन्म का ५५० प्रकाश पर्व या वर्ष है। ९ नवम्बर, २०१९ (शनिवार) के दिन प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पंजाब के गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक चेकपोस्ट से गुरुनानक जी के पाकिस्तान के पंजाब प्रान्त के नारोवाल जनपल में स्थित समाधि-स्थल पर निर्मित गुरुद्वारा करतारपुर साहिब या गुरुद्वारा दरबार साहिब को जोड़ने वाले ४-५ किलोमीटर लम्बे गलियारे के जरिये लगभग ५०० तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

साभार : विकिपेडिया

नए मतदाताओं को ऑनलाइन पंजीकरण के लिए प्रोत्साहित करे - प्राजक्ता लवंगारे वर्मा

राजनीतिक दल करे सहयोग, राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ सभा

गोंदिया – भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्यक्रम घोषित किया गया है। इस पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत नए मतदाताओं के पंजीकरण सहित मतदाता सूची में त्रुटियों को दूर करने के लिए राजनीतिक पार्टियों को सहयोग करना चाहिए, साथ ही मतदाता सूची में मतदाता पंजीकरण ऐप का उपयोग करना चाहिए।

संभागायुक्त प्राजक्ता लवंगारे वर्मा ने ऑनलाइन पंजीकरण को प्रोत्साहित करने की अपील की। कॉलेज के उन छात्रों के लिए जिन्होंने १८ वर्ष की आयु पूरी कर ली है, तकनिकी की मदद से ऑनलाइन पंजीकरण को प्रोत्साहित करें। इसके लिए महाविद्यालयों में विशेष मतदाता पंजीकरण शिविर का आयोजन किया जाए। मतदाता सूची पर जोर दिया जाए। इसके लिए राजनीतिक दलों ने सिस्टम का इस्तेमाल कर सहयोग करना चाहिए,

जिलाधिकारी कार्यालय में श्रीमती लवंगारे वर्मा की उपस्थिति में राजनीतिक पार्टी के प्रतिनिधियों की बैठक हुई। इस अवसर पर जिलाधिकारी नयना गुंडे, जिप के कार्यपालन अधिकारी अनिल पाटिल, अपर जिलाधिकारी राजेश खवले, सहायक जिलाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी अनमोल सागर, उपायुक्त (सामान्य) आयशा पठान, उप जिला चुनाव अधिकारी सुभाष चौधरी समेत राजनीतिक दल के प्रतिनधि इस दौरान उपस्थित थे।

१ से ३० नवंबर २०२१ तक की मतदाता सूची में नाम जोड़ना, मृतक और डुप्लीकेट मतदाताओं के नामों की छटाई करना, स्थानांतरण, संशोधन कार्यक्रम ने नाम सही करने का अवसर प्रदान किया है। इसको लेकर प्रशासन जनजागरुकता कर रहा है। राजनीतिक पार्टियों ने मतदान केंद्र स्तर के प्रतिनिधियों को भी नियुक्त किया। साथ ही आपके जमीनी स्तर से नागरिकों तक संशोधन कार्यक्रम की जानकारी प्रसारित करने में सहयोग करने के लिए, मतदाता सूची में नाम सुधार, नाम अपवर्जन आवेदन ऑफलाइन या ऑनलाइन किया जा सकता है। यदि कोई समस्या है, तो हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें।

लवंगारे-वर्मा ने कहा कॉलेज, विश्वविद्यालय के युवाओं के मतदाता पंजीकरण के लिए श्कैंपसश राजदूत के माध्यम से करें। इसकी जानकारी युवाओं

को मीडिया के माध्यम से दी जानी चाहिए। एक संक्षिप्त समीक्षा कार्यक्रम में एक विशेष अभियान के दौरान वरिष्ठ अधिकारी मतदान केंद्रों का दौरा करें और कार्यवाही की समीक्षा करें। जिले में २७ व २८ नवंबर २०२१ को मतदाता पंजीकरण एवं सुधार एवं इसके लाभों के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है

वोटर हेल्पलाइन ऐप

इस मोबाइल ऐप या राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल (nvsp.in) के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण, नाम हटाना, पाठ संपादन द्वारा उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जनजागरुकता करने के भी निर्देश दिए। आने वाले चुनाव में मतदान वही कर सकेंगे जिनका नाम मतदाता सूची में है। इसलिए सुनिश्चित करें कि आपका नाम वोटर लिस्ट में है या नही। १८ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति जो अभी भी पंजीकृत नहीं हैं, उनके पास आपका नाम ३० नवंबर, २०२१ तक ऑफ़लाइन या ऑनलाइन करना होगा। अगर कोई समस्या है तो आयोग के हेल्पलाइन १९५० इस नंबर पर संपर्क करें।

जिले के प्रत्येक तहसील में मतदाता सहायता प्रकोष्ठों की स्थापना १८ से १९ वर्ष के बीच के नए मतदाताओं को पंजीकृत करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। मतदाता पंजीकरण के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में विशेष ग्राम सभा आयोजित की जाती थी। मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए फॉर्म ६, एनआरआई को मतदाता फॉर्म ६-ए फॉर्मूलेशन के लिए, फॉर्म ७ नाम बहिष्करण के लिए, यदि विवरण में कोई त्रुटि हो तो वह नमूना ८ एवं विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत है पते में परिवर्तन के मामले में, संबंधित मतदान केंद्र अधिकारी द्वारा फॉर्म ८-ए भरें। (बीएलओ) या एनवीएसपी पोर्टल पर लॉग इन करके ऑनलाइन प्रासंगिक आवेदन डिप्टी कलेक्टर (चुनाव) सुभाष चौधरी ने जानकारी दी।

प्रधानमंत्री मोदी के प्रयत्नों से गोंदिया के शासकीय चिकित्सालय में हुई ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना - पूर्व विधायक अग्रवाल

गोंदिया – देश और गोंदिया तहसील में भारतीय जनता पार्टी सबसे मजबूत और लोकहित में जुटा हुआ संगठन है। सभी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री मोदी व पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस के लोक हित की योजनाओं को लेकर हर घर तक पहुंचे तो निश्चित रुप से आगामी जिला परिषद, पंचायत समिति चुनाव में जिले में भाजपा का परचम लहराने से कोई नहीं रोक सकेगा ऐसे उद्गार पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल द्वारा ग्राम खमारी में आयोजित भाजपा कार्यकर्ताओं की सभा में व्यक्त किया।

आगे उन्होंने कहा कि गोंदिया तहसील के विकास के लिए अनेकों योजनाएं उन्होंने शासन से मंजूर करवाई लेकिन नई सरकार और नए जनप्रतिनिधियों द्वारा केवल ठेकेदारी तक ही विकास को सीमित कर दिया है। खमारी ग्राम की मुख्य सड़क का चौड़ीकरण। सीमेंटीकरण करवाया, ग्राम में पेयजलपुर्ती योजना का निर्माण तथा व्यापारिक और औद्योगिक केंद्र के रुप में विकसित करने के हरसंभव प्रयत्न किए गए साथ ही सिंचाई की व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए मोरवाही-टांडा उपसा सिंचाई योजना को शासन से मंजूर करवाया, लेकिन खेद है कि गत विधानसभा चुनाव के पश्चात इन विकास योजनाओं पर कोई कार्य आगे नहीं बढ़ पाया और सीमेंट रोड की ठेकेदारी प्राप्त करने में ही जनप्रतिनिधि जुट गए हैं। शासकीय केटीएस जिला चिकित्सालय में ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना राज्य सरकार नहीं कर सकी और कोरोना काल में हजारों रुपए में ऑक्सीजन का सिलेंडर खरीदना पड़ा। अंतत: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पीएम केयर्स फंड के अंतर्गत शासकीय जिला चिकित्सालय में ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना हुई। जिस पर बड़ी बेशर्मी की बात यह है कि नाकाम और असक्षम जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयत्नों से शासकीय मेडिकल कॉलेज के ऑक्सीजन प्लांट के उद्घाटन की फोटो व्हाट्सएप पर स्वयं के प्रयत्न बताते हुए वायरल की किंतु आज का मतदाता समझदार हो चुका है। काम करने वाले और नाकारा दोनों लोगों को अच्छी तरह पहचानता है। प्रधानमंत्री मोदी तथा हमारे लोक हित के कार्य निश्चित रुप से आगामी जिला परिषद पंचायत समिति चुनाव में भाजपा को बड़ी जीत दिलाएंगे तथा कार्यकर्ताओं को अब प्रचार कार्य में रुकने की आवश्यकता है। जिससे भाजपा का हर कार्यकर्ता अपना व्यक्तिगत कार्य समझकर करेगा।

इस अवसर पर पूर्व जिप अध्यक्ष नेतराम कटरे ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने कोरोना काल में नवंबर २०२१ तक प्रत्येक नागरिक को ५ किलो अनाज निशुल्क दिया तथा जरुरतमंदों को आवास योजना, प्रत्येक किसानों को ६००० सालाना अनुदान उपलब्ध कराया है। भाजपा की मोदी सरकार ने देश के हर नागरिक को वह दिया है जो वर्षों तक कांग्रेस की सरकारों ने कभी सोचा भी नहीं था तथा देश का मतदाता आज भी भाजपा के साथ हैं।

आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर भाजपा तहसील अध्यक्ष ठाकरे जिला उपाध्यक्ष नंदू बिसेन, संजय कुलकर्णी, नरेंद्र तुरकर, प्रकाश रहमतकर, संजय, गजेंद्र फुंडे, राजेश चतुर, योगराज राहंगडाले, कदम, अन्ना बहेकार, अर्जुन नागपुरे, देवचंद नागपुरे मनोज मेंडे, सत्यम बहेकार, भास्कर राहंगडाले, लक्ष्मीकांत अग्रवाल, सुधीर ब्राम्हणकर, माधुरी हरिनखेडे तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महागांव में तहसील कृषि विभाग की सहायता से वनराई बंधारे का निर्माण

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव - अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम महागांव में कृषि विभाग की सहायता से वनराई बंधारे का निर्माण किया गया। उपरोक्त बंधारा कृषि विभाग के सहायक येलने के मार्गदर्शन में ग्राम के समीप के नाले पर किया गया। इस अवसर पर महागांव के सरपंच कोवे उपस्थित थे। कृषि सहायक ने

इस अवसर पर पानी के महत्व की जानकारी दी तथा पानी को रोकने तथा उसके भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने की जानकारी दी। तथा उपरोक्त बंधारे से वन्यजीवों तथा गांव के मवेशियों को पानी उपलब्ध होगा साथ ही रबी की फसल को भी इसका लाभ मिलेगा। सरपंच कोवे ने नागरिकों से आव्हान किया कि पानी को रोकने तथा भूमिगत जलस्तर बढ़ाने के लिए वनराई बंधारे का निर्माण करें।

जिलास्तरीय स्पर्धा में विवेक ताइक्वांडो अकादमी की सफलता

गोंदिया जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा १५वीं गोंदिया जिला स्तरीय ताइक्वांडो स्पर्धा २०२१ डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर भवन मरारटोली गोंदिया में आयोजित की गई थी।जिला स्तरीय प्रतियोगिता में गोंदिया की विवेक ताइक्वांडो अकैडमी के खिलाड़ियों ने विशेष सफलता प्राप्त कर १७ स्वर्ण पदक, ५ रजत पदक, ४ कांस्य पदक प्राप्त करते हुए पूरे जिले में प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तरीय स्पर्धा के लिए चयन हुए। पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों में सब जूनियर गर्ल्स हेतल गंबानी, आरोही अनकर, आराध्या जायसवाल, तिर्थिका अग्रवाल, त्विशा तिडके, सब ज्यु. ब्वॉय पावक गोयल, रुद्र नागपुरे, उत्कर्ष लिल्हारे, प्रतीक कोडरा, कैडेट गर्ल्स गरिमा नागपुरे, श्रेया गाडेकर अन्वेषा श्रीवास्तव, कैडेड बॉयस आरुष अग्रवाल, तनय गजभिए, प्रथम जायसवाल, नैतिक मेडे, सरल गंबानी, मयंक जायसवाल, प्रताप भादूपोते जूनियर गर्ल्स रिया चौधरी, माही चौधरी, कृतिका कोडरा, जूनियर बॉयस अमन आसवानी, ओम भादूपोते, सिनियर गर्ल्स पूर्वा अग्रवाल, सीनियर बाय मुजिब बैग सर ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता तथा ताइकांडो के मुख्य प्रशिक्षक निलेश फुलबांधे ताइकांडो एनआईएसज, मुजिब बैग मास्टर ट्रेनर, दुलीचंद मेश्राम, घनश्याम राठौड़ जिला क्रीड़ा अधिकारी, लोकेश यादव, अशोक कारता, गुरप्रीत कौर होरा को दिया है। आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर भाजपा तहसील अध्यक्ष ठाकरे, जिला उपाध्यक्ष नंदू बिसेन, संजय कुलकर्णी, नरेंद्र तुरकर, प्रकाश रहमतकर, संजय, गजेंद्र फुंडे, राजेश चतुर, योगराज राहंगडाले, कदम, अन्ना बहेकार, अर्जुन नागपुरे, देवचंद नागपुरे मनोज मेंडे, सत्यम बहेकार, भास्कर राहंगडाले, लक्ष्मीकांत अग्रवाल, सुधीर ब्राम्हणकर, माधुरी हरिनखेडे उपस्थित

किसानों को बड़ी राहत, अब किसी भी धान खरीदी केंद्र पर बेच सकेंगे धान

विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयास सफल, जारी होगी अधिसूचना

गोंदिया – शासकीय आधारभूत धान खरीदी केंद्रों पर किसान अपना धान बेचने की प्रक्रिया करते है। इसके लिए प्रत्येक गांव को एक धान बिक्री केंद्र आवंटित किया जाता है और उन्हें उसी संस्थान में पंजीकरण कराना होता है और अपने धान की बिक्री हेतु प्रतीक्षा करना होता है। धान की खरीद के लिए किसी संस्था को ३ गांव तो किसी संस्था को १० गांव दिए जाते हैं, ऐसे में समानता नहीं होने से किसानों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस मामले को लेकर गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल ने मुंबई मंत्रालय में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल से

भेंट की एवं उन्हें इस समस्या से अवगत कराया।

उन्होंने कहा, किसी भी धान खरीद केंद्र पर किसानों को धान बेचने की अनुमति अगर दी जाती है तो धान खरीदी केंद्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और इसका सीधा लाभ किसानों को होगा। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने किसानों के इस मामले पर संज्ञान लेकर आश्वासन दिया कि किसान किसी भी धान खरीद केंद्र पर धान बेचने के लिए सकारात्मक होंगे और इस तरह की अधिसूचना जल्द ही जारी करेंगे।

अनाज खरीद केंद्रों में बढ़ेगी प्रतिस्पर्धा

बारदाना उपलब्ध न होने, गोदाम में जगह की कमी के कारण धान खरीदी में अक्सर देरी होती थी। लेकिन अब किसी भी धान खरीद केंद्र पर धान बेचने का निर्णय धान खरीद केंद्रों के बीच प्रतिस्पर्धा पैदा करेगा और धान की खरीद तेज होगी और साथ ही सरकार का समय और पैसा भी बचेगा।

जिप, पंस, नपं चुनावों में जीत का संकल्प लेकर भाजपा का झंडा फहराने की करो तैयारी - फुके

देवरी में विजय शिवनकर का सत्कार समारोह, पक्ष को मजबूत करने का किया आव्हान

गोंदिया – मुंबई में पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं पक्ष के वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में अपने १३ दिग्गज साथियों के साथ भारतीय जनता पार्टी में प्रवेश किये राकांपा के पूर्व जिलाध्यक्ष विजय शिवनकर का देवरी तहसील में भाजपा द्वारा सत्कार समारोह आयोजित किया गया था, जहां पक्ष के पदाधिकारियों द्वारा उनका स्वागत किया गया।

इस अवसर पर जिले के पूर्व पालकमंत्री एवं गोंदिया-भंडारा विधानपरिषद क्षेत्र के विधायक डॉ. परिणय फुके ने कहा, विजय शिवनकर की विचारधारा भाजपा से जुड़ी रही है। उनके पिता महादेवराव शिवनकर भाजपा के वरिष्ठ नेता है। उनकी भाजपा में वापसी से पक्ष को मजबूती प्रदान हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा द्वारा जो प्रयास जनहित के लिए किए जा रहे है, उससे आमजन प्रभावित होकर भाजपा से जुड़ रहे है। हमारा संकल्प है कि आगामी जिला परिषद, पंचायत समिति एवं नगर पंचायत चुनाव में जीत दर्ज करने एकजुटता से कार्य कर स्थानिक चुनावों में भाजपा का परचम फहराने का कार्य करें।

इस कार्यक्रम में प्रमुखता से सांसद अशोक नेते, संगठन मंत्री बाळा अंजनकर, पूर्व विधायक संजय पुराम, झामसिंग येरने, केशवराव भूते, प्रमोद संगिड़वार, महेश जैन, अनिल येरणे, दिपक शर्मा, बबलू डोये, अत्तूभाई शेख, भास्कर धरमशहारे, वसंत पुराम, जगनेश, यादवराव पंचमवार, देवेंद्र मच्छीरके, जलाल पठाण, सौ देवकी मरे व भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बढ़ती महंगाई और मोदी सरकार के खिलाफ पिपरिया में जनजागरण एंव रैली का आयोजन

सालेकसा – प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के आदेश एवं स्थानीय विधायक सहसराम कोरोटे के निर्देशानुसार पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती अवसर पर संपूर्ण गोंदिया-भंडारा जिले के साथ ही तहसील के पिपरिया जिला परिषद तहत ग्राम पंचायत पिपरिया के ग्राम गुलाबटोला स्थित क्रांतिसूर्य भगवान बिरसामुंडा ग्राउंड में शाम ७.०० बजे जनजागरण रैली का आयोजन कांग्रेस महिला प्रतिनिधि गीता ओमप्रकाश लिल्हारे के नेतृत्व में किया गया। इस दरमियान विभिन्न भजनों, गीतों और नारों के माध्यम से केंद्र की सरकार के काले

कारनामों का भंडाफोड़ किया गया। रैली में सैकड़ों की संख्या में महिला, पुरुष तथा युवा साथियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर प्रमुखता से युवा कांग्रेस जिल्हा सचिव ओमप्रकाश लिल्हारे, तहसील संगठन मंत्री गुणाराम मेहर, संगठन मंत्री गेंदलाल चौधरी, पूर्व प.स.सदस्य भरतलाल लिल्हारे, दानीलाल पिछोड़े, सांस्कृतिक प्रमुख लीलाराम कोरोटे, तानुलाल जमदाड़, व्यंकटराव कोम्बे, रोशन सलाम, रामलाल भोयर, कैलाश भुरकुड़े, किशोर दसरिया, प्रभुदयाल वड़गाये, हरीचंद राऊत, भरतलाल भुरकुड़े, प्रल्हाद बरेकर, पूर्व उप सरपंच अशोक कुम्भरे, ग्रा.प. सदस्य रंजीता भुरकुड़े आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु युवा कार्यकर्ता गणराज कोरोटे, मनोज कोरोटे, ईश्वरदास कोरोटे, हरिचन्द भुरकुड़े, जैपाल कोरोटे, घनश्याम वड़गाये, हीवराज भुरकुड़े, उमेश चौरागड़े, गंगाराम खुलसिंगे, चमरुलाल मलाये तथा क्षेत्र के अन्य युवा कार्यकर्ताओं ने परिश्रम किया।

वासना की भुख और आकर्षण का नशा प्रेमी की मदद से की पति की जघन्य हत्या

गोंदिया – दुनिया में सबसे बड़े अपराध दौलत के लालच, महिलाओं की वासना और शराब के कारण होते हैं। इससे आदमी कभी खून के रिश्ते, कभी जिंदगी भर के रिश्ते तो कभी पड़ोसियों से दोस्ताना रिश्ते भूल जाता है। यदि वह वासना और आकर्षण का आदी है, तो वह व्यक्ति उसी व्यक्ति को धोखा देकर यमसदन भेजने के लिए पीछे मुड़कर नहीं देखता, जिसके साथ उसने जीवन भर के लिए निष्ठा की शपथ ली थी। तिरोड़ा तहसील के बघोली गांव में एक चौंकाने वाली घटना हुई।

वासना और आकर्षण के लालच में फंसी एक विवाहित महिला ने अपने प्रेमी की मदद से अपने ही पति की हत्या कर दी। चुरडी हत्याकांड के ठीक दो महीने बाद, यह दूसरा नरसंहार है, जिसने तिरोड़ा तहसील सहित पूरे गोंदिया जिले को हिलाकर रख दिया। नतीजतन, तिरोड़ा तहसील जो कभी शांत हुआ करता था, अब अपराध के जाल में फंसता जा रहा है।

बघोली तिरोड़ा-खैरलांजी रोड पर तिरोड़ा तहसील से सिर्फ ९ से १० किमी दूर एक गाँव है। मुनेश्वर सहेशराम पारधी (३२) और उनकी पत्नी शारदा मुनेश्वर पारधी (२८) इसी गांव में रहते थे। छह-सात साल पहले दोनों की शादी हुई थी। उनकी एक ५ साल की बेटी निधि और २ साल का बेटा अंश है। मृतक के पिता सहसराम पारधी लकवाग्रस्त हैं और चल नहीं सकते।

पत्नी का अवैध संबंध

पति मुनेश्वर मजदूरी और पारिवारिक व्यवसाय चलाने के लिए विदेश जाता था। पति के घर पर नहीं होने के कारण पत्नी आजाद थी। कुणाल मनोहर पटले (२१) जो बगल में रहता है, के साथ उसका प्रेम और अवैध संबंध बन गया। ग्रामीणों का कहना है कि यह रिश्ता पिछले छह साल से चल रहा है। पति मुनेश्वर जब गांव वापस आया तो उसने पत्नी के अवैध रिश्ते से अवगत कराया गया। हालांकि, उसने इसे नजरअंदाज कर दिया, यह मानते हुए कि लोग उसकी पत्नी की बदनामी कर रहे हैं।

संबंधों में बाधक बना पति

कोरोना की पहली लहर करीब दो साल पहले आई थी। नतीजतन, उसके पति ने काम के लिए विदेश जाना बंद कर दिया। गांव से बाहर जाना बंद कर दिया। उसने गांव में ही खेती शुरु की। इसलिए पति मुनेश्वर पत्नी शारदा और उसके प्रेमी कुणाल के रिश्ते में रोड़ा बन गया।

शारदा और कुणाल के अवैध संबंध जारी थे। गांव वाले उनके रिश्ते को देख रहे थे। इससे उसका पति भी प्रभावित हुआ। इसलिए उसे पुलिस में शिकायत करनी पड़ी। हत्या के छह महीने पहले, कुणाल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के बाद छेड़छाड़ का आरोप लगाया गया था।

हत्या के चार या पांच दिन पहले, मुनेश्वर एक जंगली सूअर के हमले में मामूली रुप से घायल हो गया गया था। चोटें गंभीर नहीं थीं। इसलिए हत्या वाले दिन वह ठीक था। वह धान को थ्रेसिंग के लिए खेत में गया था। उसके बाद वह गांव में दोस्तों के साथ था। वह शाम चार बजे पुलिस पाटिल की दुकान पर भी बैठा था।

हत्या की साजिश

कोरोना के कारण पति गांव और घर में रह रहा है। नतीजतन, पत्नी और कुणाल के बीच अवैध संबंध बाधित होने लगे। पति बाधा बन गया। तो, काम के उन्माद में, उन दोनों ने उसे मारने की साजिश रची। उसने दो बार मुनेश्वर की हत्या करने का असफल प्रयास किया था।

शनिवार २२ नवंबर को मुनेश्वर खेत में गया। फिर वह गांव में अनेक जगह बैठा। रात का खाना खाकर वो सो गया। उनकी पत्नी शारदा उनके सो जाने का इंतजार कर रही थीं। रात के १२ बजे। इसके बाद पत्नी ने अपने प्रेमी को फोन किया। उन्होंने चर्चा की। प्रेमी आता है और हत्या की साजिश को अंजाम दिया जाता है। जब उसका पति मुनेश्वर गहरी नींद में सो रहा था, तो उन्होंने उसके सिर पर कुल्हाड़ी से तीन वार किए। इसलिए वह खून से लथपथ हो गया और उसका जीवन समाप्त हो गया। उन्होंने खून से सने कुल्हाड़ी को पानी से धोया। लेकिन बेड पर खून के निशान थे। फिर उसने लाश के सिर पर रुमाल बांध दिया ताकि सिर पर निशान न दिखें। प्रेमी घर से निकल गया।

ऐसे हुआ घटना का खुलासा

इसके बाद शारदा ने गांव के एक रिश्तेदार किसान पटले को आठ बार फोन कर इसकी जानकारी दी। हालाँकि, उन्होंने फोन नहीं उठाया क्योंकि उन्हें डर था कि वह उसको फसा देगी। फिर उसने परसवाड़ा के डॉक्टर को बुलाया। रविवार सुबह चार बजे डॉक्टर पहुंचे। लेकिन डर के मारे उसने अपने पति का शव डॉक्टर को नहीं दिखाया, तो डॉक्टर चले गए। सुबह नौ बजे तक उसने किसी को नहीं बताया। लेकिन फिर फूट-फूट कर रोने लगी कि उसके पति की मृत्यु हो गई है। ग्रामीण जमा हो गए। गांव के पुलिस पाटिल आये। कल मुनेश्वर ठीक थे, लेकिन अचानक उनका निधन हो गया। ग्रामीण इस तरह के सवाल करने लगे। लाश का सिर रुमाल से बंधा हुआ था। इससे लोगों को शक हुआ। उसने लाश के सिर से रुमाल निकाल दिया। और देखा तो मुनेश्वर के सिर पर एक गंभीर घाव दिखाई दिये। पोपा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

घटना की सूचना मिलते ही दवनीवाड़ा के थानेदार भोंसले अपने काफिले के साथ मौके पर पहुंचे। लेकिन पहले तो ग्रामीणों का कहना है कि शव को ठीक से देखे बिना पंचनामा बनाने लगी। शव को देखे बिना घटना की पंचनामा प्रक्रिया कैसे शुरु हुई? घटना को दबाने के लिए इस तरह की साजिश शुरु नहीं होती है। जब ग्रामीणों को ऐसा शक हुआ तो उन्होंने मामले को उठाया। पुलिस पर दबाव बढ़ने से फिर पूछताछ शुरु हुई। पुलिस ने बाद में बताया कि सिर पर कुल्हाड़ी के घाव है। मैं वह नहीं हूँ पत्नी का बहानाय लेकिन अंत में उसने कबूल कर लिया।

पुलिस अधीक्षक विश्व पनसारे, उप विभागीय पुलिस अधिकारी नितिन यादव और स्थानीय अपराध शाखा पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। गोंदिया से डॉग स्क्वायड भी बुलाया गया। उसकी पत्नी के अनुसार, चार दिन पहले जंगली सुअर द्वारा हमले मामूली रुप से घायल हो गया था, बिस्तर के नीचे गिरने से मौत हो सकती है।

क्या कोई रात को घर आया था? इस तरह के सवाल ग्रामीणों और बाद में पुलिस ने पूछे। उसने नाटक किया कि कोई नहीं आया था। जब पति-पत्नी दोनों एक ही कमरे में हों और सुबह अचानक पति का शरीर खून से लथपथ हो? अस्थि मज्जा कहाँ से आया? पुलिस ने गहन जांच शुरु की। उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है। साथ ही छह महीने पहले उसने अपने बॉयफ्रेंड कुणाल पटले के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज कराया था। इसलिए उसे भी हिरासत में लेकर कडाई से पूछताछ की गई। जिसमें दोनों ने मिलकर हत्या करना कबूल किया। आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी को २६ नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेजा गया।

मृतक मुनेश्वर पारधी की हत्या के मामले में उसकी पत्नी ने एक्सीडेंटल डेथ का सीन बनाया था. हालांकि दवणीवाड़ा पुलिस ने मृतक की पत्नी शारदा और उसके प्रेमी कुणाल पाटले को पूछताछ के लिए गिरफ्तार कर लिया। इसमें उनका कहना है कि उनका प्रेम प्रसंग है और वह पहले भी दो बार उनकी हत्या की कोशिश कर चुके हैं। साथ ही २०-२१ नवंबर की मध्यरात्रि में जब मुनीश्वर गहरी नींद में सो रहे थे तो उनकी पत्नी शारदा ने अपने प्रेमी को फोन कर घर पर बुलाया। आरोपी ने कबूल किया कि कुणाल ने मुनेश्वर के सिर में तीन बार कुल्हाड़ी से वार कर उसकी हत्या कर दी।

दोनों को हत्या के आरोप में २२ नवंबर को अदालत में पेश किया गया था। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को २६ नवंबर तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया है। इस हत्या के कारण मुनेश्वर की बेटी और बेटा अपने माता-पिता की सुरक्षा से वंचित हो गए।

नौटंकी ड्रामा से समाज प्रबोधन का कार्य

पिंडकेपार में नौटंकी ड्रामा की चलती आ रही परंपरा

प्रतिनिधी, गोरेगांव - गोरेगांव तहसील अंतर्गत आनेवाले ग्राम पिंडकेपार में गत ५० वर्षो से निरंतर नौटंकी ड्रामे का आयोजन किया जाता है। इस नौटंकी ड्रामा के माध्यम से ग्रामीण संस्कृति के दर्शन तथा समाज प्रबोधन का काम किया जा रहा है। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी २२ नवंबर की रात को बालकृष्ण ड्रामा मंडल पिंडकेपार (कला) की ओर से बहन भाई को बनवास उर्फ जहरीली भाभी अर्थात शेरा डाकू संग्राम नामक ड्रामे का आयोजन किया गया था। जिसका उद्घाटन ग्राम के प्रथम नागरिक दुलिचंद रहांगडाले की अध्यक्षता में भरत घासले के हस्ते किया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त पुलिस पटेल घनश्याम पारधी, पूर्व ग्रापं उपसरपंच धनलाल मड़ावी, सेवानिवृत्त शिक्षक हिरदीलाल पटले, प्राध्यापक सतीश शहारे, चंद्रकिशोर पटले, उपसरपंच रविशंकर नागोसे, ग्रापं सदस्य भीमा शहारे, मारोती बिसेन, नेतराम गाते, वरिष्ठ नागरिक हगऱ्जी बिसेन, गोवर्धन मेश्राम, पूर्व सरपंच प्रेमिका काटेवार, भारतीय सैनिक चंद्रशेखर जोशी आदि उपस्थित थे। सभी उपस्थितों ने ड्रामा पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कलाकारों की प्रशंसा की। बताया गया कि ड्रामा के माध्यम से ग्राम की संस्कृति की झलक देखने को मिलती ही है, लेकिन इस माध्यम से समाज प्रबोधन का प्रचार-प्रसार होता है। प्रस्तावना शिक्षक एल.आर. मेश्राम, संचालन तथा आभार प्रदर्शन मुनेश्वर मेश्राम ने किया।

२५ वर्षों से मार्ग निर्माण की प्रतीक्षा कर रहे छोटा गोंदिया निवासी- मुकेश मिश्रा

गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत छोटा गोंदिया प्रभाग क्रमांक २ शारदा चौक के निवासी करीब २५ वर्षों से सीमेंट रोड बनने की मांग स्थानीय जनप्रतिनिधियों से कर रहे हैं। लोकसभा, विधानसभा, स्थानीय नगर परिषद के चुनाव बीत जाने के पश्चात भी छोटा गोंदिया के निवासियों की मांग पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के कान पर जूं नहीं रेंग रही है। इन २५ वर्षों में ५ पंचवर्षीय योजना भी पूरी हो चुकी है किंतु फिर भी किसी भी जनप्रतिनिधि द्वारा लोगों की मांग को ध्यान में रखते हुए रोड निर्माण के लिए प्रयास नहीं किया गया। सिर्फ लोगों को आश्वासन ही दिया गया। छोटा गोंदिया प्रभाग क्रमांक २ यह गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत होते हुए भी आज भी विकास से कोसों दूर है। इस प्रभाग में ज्यादातर किसान वर्ग, दुग्ध व्यवसाय करने वाले, मजदूर वर्ग निवास करते हैं।

२५ वर्षों पूर्व तत्कालीन पार्षद शंकर सहारे द्वारा छोटा गोंदिया शारदा चौक से लेकर नानू चौधरी के मकान तक सीमेंट रोड का बांधकाम, रोड के दोनों तरफ नाली का निर्माण किया गया था। किंतु उसे बने लगभग २५ वर्ष से ज्यादा की कालावधी हो चुकी है। अब उस जगह पर रोड बना था या नहीं इसे भी दूरबीन लेकर के ढूंढने की आवश्यकता पड़ गई है। रोड के नाम पर अब वहां पर सिर्फ गड्ढे ही गड्ढे दिखाई दे रहे हैं, जिससे स्थानीय वार्डवासियों को रोड से आते समय काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है जिस कारण वहां आए दिन काफी दुर्घटनाएं घटित हो रही है। छोटा गोंदिया दलित बस्ती में आने के बाद भी वहां रोड की स्थिति ऐसी है जिससे प्रश्न निर्माण होता है कि क्या वाकई में छोटा गोंदिया का यह भाग नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत ही आता है या किसी दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्र में? आज ग्रामीण क्षेत्रों के भी मार्गो की हालत बदल गई है। फिर भी छोटा गोंदिया में रोड की हालत इतनी दयनीय क्यों?

वार्डवासियों द्वारा कई मर्तबा चुनाव के समय चुनाव का बहिष्कार करने की चेतावनी दी गई। जिस पर नेताओं द्वारा चुनावी लाली पॉप देकर रोड के निर्माण की मांग जल्द ही पूरी करने का आश्वासन दिया। किंतु आज भी स्थिति जैसी की वैसी बनी हुई है। स्थानीय निवासियों की मांग को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के जिला उपाध्यक्ष मुकेश कुमार मिश्रा द्वारा नगर परिषद के मुख्य अधिकारी करण कुमार चौहान, नगर अध्यक्ष अशोक इंगले, उपाध्यक्ष शिव शर्मा को रोड का बांधकाम जल्द से जल्द करने का निवेदन दिया गया। जिस पर न.प. के मुख्यधिकारी ने आश्वासन दिया है, इस रोड को स्थानीय विधायक विनोद अग्रवाल के विकास निधि द्वारा मंजूर किया गया है। और उनकी विकास निधि से ३० लाख रुपए की लागत से शीघ्र ही जैसे ही छोटा गोंदिया शारदा चौक से लेकर नानू चौधरी के मकान तक के रोड पर अंडर ग्राउंड ड्रेनेज का काम पूरा होगा वैसे ही रोड के निर्माण का कार्य शुरु किया जाएगा। जिस पर मनसे जिला उपाध्यक्ष मुकेशकुमार मिश्रा द्वारा महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के कार्यकारी अभियंता से मुलाकात कर अंडर ग्राउंड ड्रेनेज का काम छोटा गोंदिया में जल्द से जल्द पूरा करने की मांग की गई। जिससे छोटे गोंदिया प्रभाग में रोड निर्माण का कार्य जल्द से जल्द शुरु किया जा सके।

आमगांव तहसील राष्ट्रवादी कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन

नवनियुक्त जिला अध्यक्ष परशुरामकर का सत्कार कार्यक्रम

गोंदिया – आमगांव तहसील राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन व नवनियुक्त राकांपा जिला अध्यक्ष का सत्कार कार्यक्रम महेश्वरी इंडस्ट्रीज स्टेशन रोड रिसामा में पूर्व विधायक राजेंद्र जैन व विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे जिला अध्यक्ष गंगाधर परशुरामकर की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष परशुरामकर का उपस्थित अतिथियों द्वारा सत्कार किया गया। इस अवसर पर राजेंद्र जैन ने कहा कि तहसील युवक कांग्रेस कार्यकारिणी का नवीनीकरण, बूथ समिति में युवक व वरिष्ठ अधिकारी पदाधिकारियों का समन्वय कर पक्ष को बल देने की आवश्यकता है। आगामी चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस योग्य प्रतिनिधि देंगी तथा जिप व पंचायत समिति के महत्वपूर्ण चुनाव में जिले के विकास के लिए जनता राष्ट्रवादी कांग्रेस को सहयोग दे ऐसा आवाहन किया।

मनोहर चंद्रिकापुरे ने कहा कि संगठन के कार्यां को मजबूती से करने के लिए प्रत्येक बूथ स्तर पर युवकों को स्थान दिया जाएगा तथा किसान विरोधी कृषि कानून को केंद्र सरकार द्वारा वापस लिए जाने के चलते यह किसानों की विजय है। आयोजित कार्यक्रम में राजेन्द्र जैन, देवेन्द्रनाथ चौबे, नरेश माहेश्वरी, केतन तुरकर, रमेश ताराम, कमलबापु बहेकार, राजेश भक्तवर्ती, सुरेश हर्षे, जियालाल पंधरे, कविता रहांगडाले, चुन्नीलाल डहाके, विनोद कन्नमवार, भारत पोगाटे, तुकडोजी रहांगडाले, रविंद्र मेश्राम, सुमित कन्नमवार, आनंद शर्मा, जयश्री पुड़कर, चुन्नीलाल भलावी, उषा हर्षे, मुक्तानंद पटले, प्रमोद शिवनकर, दर्शन बेदी, सिंधुताई भूते, उषा डोंगरे, यादव मेश्राम, वंदना बोरसे, पीयूष झा, कान्हा बघेले, लव माटे, दर्पण वानखेड़े, सिमा शेंडे, लक्ष्मी येडे, सी. के. बिसेन, स्वप्निल कावड़े, रुपाली भक्तवर्ती, जयशीला बोदरे, पल्लवी बोपचे, रेखा बोपचे, कनुकला मडावी, नामदेव दोनोडे, बबलू बिसेन, पोतनभाऊ रहांगडाले, सुनील ब्राम्हणकर, रामचंद ठाकरे, युक्तानंद पटले, विनोद मेहर, शीला चुटे, शालिनी ऊके, वंदना शहारे, वैशाली रामटेके, तुलेंद्र कटरे, प्रशांत गायधने, गिरीश पटले, संजय निमावत, शामलाल सोनवाने, रमन राणे, कृष्णा कोरे, मोतीलाल बागड़कर, भोजराज सोनवाने, रामेश्वर तुरकर, श्रीराम मुनेश्वर, नरेंद्र हरिनखेड़े, देवेंद्र शेंडे, देवेंद्र पटले, अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सालेकसा तहसील पत्रकार संघ की कार्यकारिणी का पुनर्गठन

राहुल हटवार अध्यक्ष व यशवंत शेंडे सचिव बने

प्रतिनिधि – सालेकसा तहसील प्रेस एसोसिएशन की हाल ही मे शासकीय विश्रामगृह सालेकसा में बैठक हूई और इस बैठक सालेकसा प्रेस एसोसिएशन की कार्यकारी समिति का पुनर्गठन किया गया।

सालेकसा तहसील प्रेस एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अपना कार्यकाल निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरा कर लिया है, कार्यकारी समिति का पुनर्गठन किया गया है और एसोसिएशन के नियमों और विनियमों के अनुसार पुनर्नियुक्त किया गया। जिसमे अध्यक्ष राहुल हटवार, उपाध्यक्ष गुनाराम मेहर, सचिव यशवंत शेंडे, सहसचिव किशोर वाल्दे, कोषाध्यक्ष रवि सोनवणे, प्रसिद्धी प्रमुख बाजीराव तरोने और कार्यकारी सदस्य नेपाल पटले, दिनेश मानकर, पवन पाथोड़े, सुमित अग्रवाल, संजय बारसे, प्रकाश टेंभरे और माइकल मेश्राम को नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी एक वर्ष के लिए होगी। सभी पत्रकारों के साथ मिलकर काम करने और अपने मतभेदों को भूलने के लिए नियम बनाए गए। साथ ही विगत वर्ष में किये गये उत्कृष्ट कार्यों के लिये पिछली कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष पवन पाथोड़े एवं सचिव सुमित अग्रवाल को उत्कृष्ट कार्य के लिये बैठक के अध्यक्ष के साथ-साथ प्रमुख एवं सभी को शॉल, नारियल देकर सम्मानित किया गया। संचालन नेपाल पटले ने किया। बैठक को सफल बनाने सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने कड़ी मेहनत की।

मालवीय वार्ड मे मनाया गया सामूहिक तुलसी विवाह

प्रतिनिधी - गोंदिया। मालवीय वॉर्ड श्रीनगर मे इस वर्ष सामूहिक रुप से तुलसी विवाह का आयोजन किया गया। १७ नवम्बर को रात ८ बजे के दरम्यान सभी मालवीय वार्ड के नगरवासियों ने अपनी तुलसी घर के बाहर लाकर सामूहिक रुप से एक साथ सामूहिक विवाह किया गया। विवाह पशचात ओम जय जगदीश हरे की आरती की गई व इसके बाद पूजा का प्रसाद वितरण कर महाप्रसाद का आयोजन भी किया गया था।

इस अवसर पर शालीग्राम के रुप मे नन्हे-मुन्हे बालक को सजाकर तैयार किया गया था। उनकी बारात विवाह स्थल पर लाते समय वार्ड के सभी नागरिकों ने नृत्य कर आनंद उठाया। इस सामूहिक विवाह आयोजन के लिये महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के जिल्हाध्यक्ष मनिष चौरागडे, प्रितम झाडे, नितीन खाडे, ओमकार डहाके, अनिल राऊत, योगेश रोकडे, दिलेंद्र शुक्ला, घनशयाम कावळे, भैयालाल, छोटू धुवारे, नंदु बारेवार, प्रदीप सेलोकर, भागचंद जोटवानी, विनोद राउत, संतोष काळसर्पे, आकाश बचवानी व आधार महिला संघटन की रुपाली रोकडे, बेबीबाई, मीना चौरागडे, कविता बारेवार, फटिंग मॅडम, ममता खाडे, जया झाडे आदी महिलाओ ने सहयोग किया।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।